भारत सरकार

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या: 1086

दिनांक 28 जुलाई, 2026 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

अल्पसंख्यक समुदायों की महिलाओं में रक्ताल्पता की विद्यमानता

1086 श्रीमती राजाथी:

क्या **स्वास्थ्य और परिवार कल्याण** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार इस बात से अवगत है कि राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (एनएफएचएस-5) के अनुसार अल्पसंख्यक समुदायों की महिलाओं में रक्ताल्पता (एनीमिया) की विद्यमानता अधिक है तथा वर्ष 1999 में मुस्लिम महिलाओं में रक्ताल्पता की विद्यमानता 48.77 प्रतिशत से बढ़कर वर्ष 2021 में 55.56 प्रतिशत हो गई है;
(ख) क्या सरकार ने अल्पसंख्यक समुदायों की महिलाओं में रक्ताल्पता की विद्यमानता संबंधी समस्या के समाधान के लिए कोई विशिष्ठ अध्ययन कराया है;
(ग) एनएफएचएस-6 की रिपोर्ट में रक्ताल्पता की विद्यमानता संबंधी आंकड़े प्रकाशित न किए जाने के क्या कारण हैं; और
(घ) सरकार किस प्रकार अद्यतन सार्वजनिक आंकड़ों के अभाव में रक्ताल्पता की समस्या का समाधान करने की कार्ययोजना बना रही है?

उत्तर

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्यमंत्री

(श्रीमती अनुप्रिया पटेल)

(क): राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-5 (एनएफएचएस-5, 2019-21) के अनुसार, देशभर में 15-49 वर्ष के आयु वर्ग की सभी महिलाओं में एनीमिया की व्यापप्ता 57.0 प्रतिशत है। एनएफएचएस-5 (2019-21) के अनुसार 15-49 वर्ष के आयु वर्ग की मुस्लिम महिलाओं में एनीमिया की व्यापप्ता 55.6 प्रतिशत है, जबकि एनएफएचएस-2 (1998-99) के अनुसार यह 49.6 प्रतिशत है।

(ख): नीति आयोग के विकास अनुवीक्षण और मूल्यांकन कार्यालय (डीएमईओ) ने सितंबर, 2025 में किए गए अपने 'स्वास्थ्य क्षेत्र की सीएसएस योजनाओं के मूल्यांकन अध्ययन' में आयरन एवं फोलिक एसिड

(आईएफ़ए) के अनुपालन में सुधार हेतु लक्षित कार्यनीतियों की आवश्यकता पर बल दिया, विशेष रूप से उन सभी महिलाओं के लिए जिनमें एनीमिया की व्यापप्ता अधिक है, तथा एनीमिया की आईटी-सक्षम ट्रैकिंग द्वारा इसका समर्थन किए जाने पर भी ज़ोर दिया।

(ग): भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) के अनुसार, कैपिलरी ब्लड सैंपल का उपयोग करके तैयार किए गए एनीमिया आकलनों की विश्वसनीयता और तुलनीयता को लेकर चिंताओं के कारण एनएफ़एचएस-6 में हीमोग्लोबिन के आकलन को शामिल नहीं किया गया था। तथापि, भारत में आईसीएमआर के आहार और बायोमार्कर सर्वेक्षण (एसएएमपीएडीए- सर्वे फॉर असेसमेंट ऑफ मार्कर्स ऑफ पॉपुलेशन हेल्थ एक्टिविटी, डाइट एंड एंथ्रोपोमेट्री) से एनीमिया की व्यापप्ता संबंधी अद्यतन जानकारी उपलब्ध होने की अपेक्षा है, जिसमें वीनस ब्लड कलेक्शन और हीमोग्लोबिन के आकलन के लिए गोल्ड स्टैंडर्ड ऑटोएनालाइज़र का उपयोग किया जाता है।

(घ): स्वास्थ्य और परिवार कल्याण, मंत्रालय राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के तहत जीवन-चक्र दृष्टिकोण पर आधारित प्रजनन, मातृ, नवजात, बाल, किशोर स्वास्थ्य एवं पोषण (आरएमएनसीएएच+एन) कार्यनीति को लागू करता है, जिसमें देशभर में महिलाओं और बच्चों में एनीमिया की समस्या से निपटने के लिए विशिष्ट साक्ष्य-आधारित निम्नलिखित अंतक्षेप शामिल हैं:

- **एनीमिया मुक्त भारत अभियान:** भारत सरकार ने हाल ही में 29 जून, 2026 को आयोजित स्वास्थ्य और परिवार कल्याण की 16वीं केंद्रीय परिषद (सीसीएचएफ़डब्ल्यू) की बैठक के दौरान एनीमिया मुक्त भारत अभियान – परिचालन दिशानिर्देश जारी किए हैं। इनका उद्देश्य एनीमिया की उच्च व्यापप्ता से निपटने के लिए एनीमिया मुक्त भारत कार्यक्रम की पूर्व 6X6X6 कार्यनीति से आगे के कदम 7X7X7 कार्यनीति को लागू करना है।

  सात लाभार्थी समूह: कम जन्म वजन वाले शिशु (0–6 माह), बच्चे (6–59 माह), बच्चे (5–9 वर्ष), किशोर/किशोरियाँ (10–19 वर्ष), गर्भवती एवं स्तनपान कराने वाली महिलाएँ, तथा जीवन-चक्र दृष्टिकोण में प्रजनन आयु वर्ग (20–49 वर्ष) की महिलाएं, हैं। सात अंतक्षेपों में निवारक आयरन एवं फोलिक एसिड (आईएफ़ए) अनुपूरण; एनीमिया की जांच; एनीमिया प्रबंधन प्रोटोकॉल के अनुसार एनीमिया का चिकित्सीय प्रबंधन; कृमिनाशन (डीवॉर्मिंग) एवं डिलेएड कॉर्ड क्लैम्पिंग; जन भागीदारी—एनीमिया के सामान्यीकृत दृष्टिकोण का रोकने तथा आईएफ़ए अनुपूरण के अनुपालन में सुधार हेतु संचार आधारित दृष्टिकोण; एनीमिया के गैर-पोषण संबंधी कारणों का समाधान; तथा स्थानीय रूप से उपलब्ध आयरन-युक्त खाद्य पदार्थों के सेवन और आहार विविधीकरण को बढ़ावा देने के लिए "ईटिंग राइट" कार्यनीति शामिल हैं। ये अंतक्षेप सात सुदृढ़ संस्थागत तंत्रों—अंतर-मंत्रालयी समन्वय; एनीमिया पर राष्ट्रीय उत्कृष्टता एवं उन्नत अनुसंधान केंद्र; राष्ट्रीय एएमबी अभियान इकाई;

आपूर्ति श्रृंखला और लॉजिस्टिक्स को सुदृढ़ बनाना; अन्य मंत्रालयों के साथ अभिसरण; एनीमिया मुक्त भारत अभियान पोर्टल; तथा टी4 दृष्टिकोण के माध्यम से निगरानी हेतु डिजिटल रूपरेखा, के माध्यम से लागू किए जाते हैं।

- **पोषण पुनर्वास केंद्र (एनआरसी)** जन स्वास्थ्य सुविधा केंद्रों में स्थापित किए जाते हैं ताकि 5 वर्ष से कम आयु के चिकित्सीय जटिलताओं के साथ मध्यम तथा गंभीर तीव्र कुपोषण से पीड़ित बच्चों को भर्ती कर चिकित्सा एवं पोषण संबंधी परिचर्या प्रदान की जा सके। उपचारात्मक परिचर्या के अतिरिक्त, बच्चों को समय पर, पर्याप्त एवं उपयुक्त आहार उपलब्ध कराने पर विशेष ध्यान दिया जाता है। साथ ही, माताओं एवं परिचर्याकर्ताओं के कौशल को आयु-उपयुक्त समग्र परिचर्या तथा उचित आहार संबंधी व्यवहारों के बारे में बेहतर बनाने पर भी विशेष जोर दिया जाता है।

- **माताओं के पूर्ण स्नेह (एमएए) कार्यक्रम** को स्तनपान की कवरेज में सुधार करने के लिए लागू किया जाता है, जिसमें जन्म के तुरंत बाद स्तनपान की शीघ्र शुरुआत तथा जीवन के पहले छह महीनों तक केवल स्तनपान को बढ़ावा देना शामिल है। इसके बाद आयु-उपयुक्त पूरक आहार की उचित प्रैक्टिस पर परामर्श दिया जाता है।

- **स्तनपान प्रबंधन केंद्र:** व्यापक स्तनपान प्रबंधन केंद्र (सीएलएमसी) ऐसे सुविधा केंद्र हैं, जिन्हें नवजात गहन चिकित्सा इकाइयों (एनआईसीयू) तथा विशेष नवजात परिचर्या इकाइयों (एसएनसीयू) में भर्ती बीमार, समय से पूर्व जन्मे तथा कम वजन वाले शिशुओं के पोषण हेतु सुरक्षित, पाश्चुरीकृत दाता मानव दूध की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए स्थापित किया गया है। स्तनपान प्रबंधन इकाइयां (एलएमयू) स्वास्थ्य सुविधा केंद्र के भीतर माताओं को स्तनपान संबंधी सहायता प्रदान करने तथा उनके अपने स्तनदूध के संग्रह, भंडारण और वितरण की व्यवस्था करने के लिए स्थापित की जाती हैं, ताकि उसका सेवन उनके शिशु द्वारा किया जा सके।

- **राष्ट्रीय कृमिनाशन दिवस (एनडीडी)** के अंतर्गत, मिट्टी से फैलने वाले कृमि (एसटीएच) संक्रमण को कम करने के लिए एल्बेंडाज़ोल की गोलियाँ बच्चों को विद्यालयों और आंगनवाड़ी केंद्रों के माध्यम से वर्ष में दो चरणों (फ़रवरी और अगस्त) में, एकल निर्धारित दिवस की पद्धति के अनुसार दी जाती हैं।

- **ग्राम स्वास्थ्य, स्वच्छता एवं पोषण दिवस (वीएचएसएनडी)** मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य परिचर्या सेवाएं प्रदान करने तथा पोषण सहित मातृ एवं शिशु देखभाल के बारे में जागरूकता उत्पन्न करने के लिए मनाए जाते हैं।

*****